नवभारत ने सबसे पहले उठाया था यह मुद्दा

# छह महीने बाद भी 90 डिग्री एंगल ब्रिज की डिजाइन पर निर्णय नहीं

- मामला पीडब्ल्यूडी द्वारा निर्माणाधीन एमआर 4 ब्रिज का

नव भारत न्यूज

**इंदौर. शहर में पीडब्ल्यूडी द्वारा 90 डिग्री के लक्ष्मी बाई नगर रेलवे ओवर ब्रिज की निर्मित डिजाइन तय नहीं हो सकी है. इस बात को छह माह से ज्यादा समय बीत चुका हैं. शहर में ब्रिज के अधूरे निर्माण से हजारों लोग परेशान हो रहे है. यातायात जाम की स्थिति भी बनी रहती है.**

इंदौर में पीडब्ल्यूडी द्वारा शहर के एमआर 4 पर लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन का ओवर ब्रिज निर्माण कार्य लंबे समय से बंद है. उक्त ब्रिज 90 डिग्री एंगल से निर्माण होने का मामला सामने आने के बाद से काम बंद पड़ा है. उक्त ब्रिज निर्माण को लेकर अभी तक पीडब्ल्यूडी कुछ तय नहीं कर पा रहा है और ब्रिज की डिजाइन भी नई नहीं आई है. इस मामले को नवभारत ने प्रमुखता से उठाया था. इसके बाद पीडब्ल्यूडी ने ब्रिज का निर्माण कर रोक दिया था. मौके पर जाकर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और वरिष्ठ इंजीनियरों ने खबर की पुष्टि की थी. इसके बाद कमेटी बनाकर रिपोर्ट देने और ब्रिज के डिजाइन बदलने का निर्णय किया गया था. उक्त निर्णय को छह महीने बीत चुके हैं, लेकिन मुख्य अभियंता कार्यालय भोपाल से अभी तक ब्रिज की नई डिजाइन बनकर नहीं आई है. नवभारत ने 25 जून को एमआर 4 पर लक्ष्मीबाई नगर और 4 जुलाई को 90 डिग्री ब्रिज निर्माण की खबर छापी थी. उसमें बताया गया था कि कहां तक ब्रिज के पीलर खड़े हो गए और सिंहस्थ फंड से बनी सड़क पर बिना सोचे समझे पीलर खड्ड कर दिए हैं. ब्रिज का निर्माण रियाल कंस्ट्रक्शन कर रही है.

### अधूरा पड़ा है काम

फिलहाल ब्रिज का काम अधूरा पड़ा है और ब्रिज डिजाइन का निर्णय अभी तक नहीं हुआ है. आज इस मामले में कार्यपालन यंत्री गुरमीत कौर भाटिया को कॉल किया तो उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया.

# 192 करोड़ की लागत से बन रहा 5 मंजिला कैंसर हॉस्पिटल अधूरा

- अक्टूबर 2025 की डेडलाइन भी निकली
- प्रस्तावित कैंसर हॉस्पिटल का निर्माण लंबी देरी का शिकार



नवभारत न्यूज

**इंदौर. शहर में वर्ष 2023 से निर्माणाधीन 5 मंजिला कैंसर हॉस्पिटल अब तक पूरी तरह तैयार नहीं हो सका है. इस अस्पताल को अक्टूबर 2025 तक बनकर तैयार हो जाना था, लेकिन वर्तमान स्थिति में यहां अभी भी काफी काम बाकी है. निर्माण कार्य की धीमी गति को लेकर स्वास्थ्य विभाग और आम लोगों के बीच चर्चा बनी हुई है.**

करीब 192 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हो रहे इस अत्याधुनिक कैंसर हॉस्पिटल से क्षेत्र के मरीजों को बड़ी उम्मीदें हैं. अस्पताल भवन को आधुनिक चिकित्सा मानकों के अनुरूप डिजाइन किया गया है. इसमें विशेष रूप से दो बड़े रेडिएशन बंकर बनाए जा रहे हैं, जहां कैंसर रोधी रेडिएशन मशीनें स्थापित की जाएंगी. ये दोनों बंकर 8 मीटर बाय 8 मीटर आकार के हैं. सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इनमें 1 मीटर चौड़ी मोटी कंक्रीट की दीवारें बनाई जा रही हैं, ताकि रेडिएशन का प्रभाव बाहर न फैल सके और मरीजों व स्टाफ की सुरक्षा सुनिश्चित हो. कैंसर उपचार में रेडिएशन थेरेपी की अहम भूमिका होती है. अस्पताल में आधुनिक ऑपरेशन थिएटर, डे-केयर कीमोथेरेपी यूनिट, उन्नत डायग्नोस्टिक सुविधाएं और पर्याप्त बेड की व्यवस्था भी प्रस्तावित है.

**अस्पताल निर्माण में देरी के कारण**-अजय यादव कार्यपालन यंत्री पीआईयू लोकनिर्माण विभाग ने कहा कि अस्पताल निर्माण में देरी के मुख्य कारण नर्मदा लाइन का स्थानांतरण और पेड़ों का पुनरोपण रहे. इसके अलावा पुराने आवास को हटाने में भी समय लगा. पहले 80 बिस्तरों के ट्रॉमा सेंटर की योजना थी, जिसे बदलकर 321 बिस्तरों के अस्पताल में परिवर्तित किया गया. नई न्यूक्लियर मेडिसिन यूनिट के प्रावधान और योजना समायोजन में भी अतिरिक्त समय लगा. साथ ही ठेकेदार द्वारा अपेक्षित प्रगति नहीं करने पर उसकी स्लिपेज राशि में कटौती की गई और धीमी गति से काम करने पर नोटिस जारी किया गया.

### लगातार बढ़ रही मरीजों की संख्या

कैंसर हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. रमेश आर्य ने बताया कि अस्पताल बनने से मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी. उन्होंने कहा कि अभी प्रतिदिन ओपीडी में लगभग 100 से 125 मरीज पहुंच रहे हैं. मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन मौजूदा सुविधाएं सीमित हैं. खासकर गंभीर स्थिति वाले मरीजों के लिए पर्याप्त बेड उपलब्ध नहीं हैं. वर्तमान में केवल 7 क्रिटिकल मरीजों को ही भर्ती कर उपचार दिया जा सकता है. डॉ. आर्य के अनुसार नए भवन के तैयार होने के बाद 20 से अधिक गंभीर मरीजों को एक अलग मंजिल पर रखने की सुविधा उपलब्ध होगी. यह मंजिल विशेष रूप से क्रिटिकल केयर के लिए विकसित की जाएगी. कैंसर मरीजों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, इसलिए उन्हें संक्रमण से बचाना बेहद जरूरी होता है. अलग मंजिल पर व्यवस्थित वार्ड और बेहतर निगरानी व्यवस्था होने से संक्रमण का खतरा काफी हद तक कम किया जा सकेगा.

### निर्धारित मानकों के अनुरूप कर रहे कार्य

मशीनों को लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि शेष कार्य को प्राथमिकता के आधार पर तेजी से पूरा किया जा रहा है. तकनीकी और संरचनात्मक कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुरूप ही किया जा रहा है, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की कमी न रह जाए. रेडिएशन बंकर जैसे संवेदनशील निर्माण कार्य में अतिरिक्त सावधानी बरती जा रही है, जिससे समय थोड़ा अधिक लगना स्वाभाविक है. अब सभी की निगाहें इस परियोजना के शीघ्र पूर्ण होने पर टिकी हैं. यदि निर्माण कार्य जल्द पूरा होता है तो यह कैंसर हॉस्पिटल क्षेत्र के हजारों मरीजों के लिए राहत की बड़ी सौगात साबित होगा.

## एक नजर में

### सतना सीमेंट वर्क्स द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

**इंदौर**. सतना सीमेंट वर्क्स द्वारा अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों के अंतर्गत ग्राम पंचायत बारी कला में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया. यह शिविर पंचायत भवन परिसर में संचालित हुआ. बिरला कॉरपोरेशन लिमिटेड की इकाई सतना सीमेंट वर्क्स समय-समय पर सामाजिक एवं विकासात्मक गतिविधियों का संचालन करती रही है. संस्था के प्रेसिडेंट कौशल मिश्रा का उद्देश्य है कि सीमेंट प्लांट की प्रगति के साथ-साथ आसपास के गांवों का समग्र विकास सुनिश्चित हो, ग्रामीण किसानों की आजीविका सुदृढ़ बने तथा क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों. इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए एचआर हेड आरके गिरी एवं क्लस्टर हेड रंजीत प्रसाद के नेतृत्व में इस शिविर का आयोजन किया गया. शिविर के दौरान ग्राम बठिया कला के कुल 92 ग्रामीणों की विभिन्न रोगों की जांच की गई तथा उन्हें आवश्यक दवाइयों का नि:शुल्क वितरण किया गया. इस अवसर पर बिरला कॉरपोरेशन के मेडिकल ऑफिसर डॉ. तबरेज़ खीरा ने मरीजों का उपचार किया और उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया. शिविर के सफल आयोजन में सीएसआर विभाग के मैनेजर विजय चौबे, अनामिका सिंह तथा बिरला संस्था की सहयोगी स्वयंसेवी संस्था पैक्स का विशेष योगदान रहा.

### विद्यार्थियों को प्राकृतिक रंग बनाना सिखाया

**इंदौर**. जिम्मी मगिलिगन सेंटर फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट पर होली के पावन त्यौहार को नेचुरल कलर्स फॉर सस्टेनेबल होली के प्रशिक्षण सप्ताह के दूसरे दिन एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च के रोटारैक्ट क्लब छात्रों और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के सोशल वर्क छात्रों ने बड़े उत्साह से भाग लिया. जनक दीदी ने अपने हाथों बहुत सरल तरीके से फूलों और प्राकृतिक सामग्री से केमिकल-फ्री सूखे और गीले रंग बनाकर सिखाए. एक्रोपोलिस की फैकल्टी मेंबर विनीता झा ने कहा यह सेशन पूरी तरह प्रैक्टिकल था, दीदी के साथ छात्र भी खुद रंग बनाते, मिलाते, छानते और सवाल पूछते रहे. हम सभी ने फूलों-फलों से रंग बनाने के प्रैक्टिकल तरीके सीखे और जनक जी की सादगी भरी, सस्टेनेबल जिंदगी से प्रेरणा ली. यह अनुभव विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक रहा. मास्टर आफ सोशल वर्क की छात्रा प्रियांशी मंडलोई ने कहा जनक दीदी का काम सोशल वर्क के छात्रों के लिए बहुत इंस्पायरिंग है. ये दिखाता है कि छोटे-छोटे सोच-समझकर किए गए काम कितना बड़ा बदलाव ला सकते हैं और हमें ज्यादा वैल्यू-बेस्ड प्रोफेशनल बनने के लिए प्रेरित करता है.

### जावा 42 अब आइवरी रंग में

**इंदौर**. जावा येज़दी मोटरसाइकिल्स में नियो-क्लासिक सेगमेंट की शुरुआत करने वाली मोटरसाइकिल जावा 42 अब नए आइवरी रंग में पेश की गई है. यह नया पेस्टल शेड दुनिया भर में बढ़ती उस पसंद को दर्शाता है, जिसमें लोग सांस्कृतिक शोर से राहत पाने के लिए नरम और सुकून देने वाले रंग चुन रहे हैं. यह ट्रेंड 2026 के कलर ऑफ द ईयर में भी दिखाई देता है. '42' नंबर की रेट्रो लिवरी और डेकल्स नई जावा 42 आइवरी को एक शांत लेकिन अलग पहचान देते हैं. जावा येज़दी मोटरसाइकिल्स के सह-संस्थापक अनुपम थरेजा ने कहा जावा 42 ने 2018 में क्लासिक मोटरसाइकिल की परिभाषा बदल दी. इसने दिखाया कि भारतीय राइडर एक सच्चे नियो-क्लासिक से क्या उम्मीद कर सकता है। अपने बोल्ड डिजाइन, मजबूत परफॉर्मेंस इंजीनियरिंग, सुरक्षा और राइडर-फर्स्ट फीचर्स के साथ जावा 42 आज भी एकरूपता का तोड़ है. जो लोग जावा 42 चुनते हैं, वे शोर से दूर हटकर अपनी खुद की कहानी गढ़ते हैं, ट्रेंड्स की जल्दबाज़ी से परे और दिखावे की चिंता से मुक्त। आइवरी रंग के साथ हम इसी भावना को पहचान दे रहे हैं. यह रंग राइडर्स को अपनी गति से जावा की शांत और अलग पहचान का एहसास दिलाता है.

### इंटीग्रेटेड इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर केयर एंड ब्लड डिसऑर्डर्स' की शुरुआत

**इंदौर**. भारत का पहला 100% एफडीआई-वित्तपोषित तृतीयक देखभाल अस्पताल, सकरा वर्ल्ड हॉस्पिटल ने आज अपने उन्नत और एकीकृत इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर केयर एंड ब्लड डिसऑर्डर्स का शुभारंभ किया. यह समर्पित केंद्र सटीकता-आधारित, तकनीक-सक्षम और मरीज-केंद्रित कैंसर एवं हीमेटोलॉजी उपचार को एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है. संस्थान का उद्घाटन मुख्य अतिथि अरविंद लिंबावली, पूर्व वन मंत्री, कर्नाटक सरकार एवं पूर्व विधायक की उपस्थिति में किया गया. उद्घाटन पर अरविंद लिंबावली ने कहा सकरा हॉस्पिटल ने विशेषकर कोविड जैसे चुनौतीपूर्ण समय में हमारे क्षेत्र की प्रतिबद्धता और करुणा के साथ सेवा की है. तेजी से विकसित हो रहे इस क्षेत्र में समय पर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है. ऑन्कोलॉजी विभाग का शुभारंभ स्थानीय स्वास्थ्य ढांचे को सशक्त करेगा और हमारे समुदाय को घर के पास ही उन्नत कैंसर उपचार उपलब्ध कराएगा. डॉ. विनीत गुप्ता, निदेशक एवं प्रमुख इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर केयर एंड ब्लड डिसऑर्डर्स, सकरा वर्ल्ड हॉस्पिटल ने कहा चिकित्सा अनुसंधान और तकनीक में प्रगति के कारण आज कई प्रकार के कैंसर प्रारंभिक अवस्था में पहचान होने पर अत्यधिक उपचार योग्य हैं. इस संस्थान के माध्यम से हमारा उद्देश्य साक्ष्य-आधारित उपचार, विशेषज्ञताओं के बीच निर्बाध समन्वय और मरीजों तथा उनके परिवारों की चिकित्सकीय एवं भावनात्मक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए करुणामय देखभाल प्रदान करना है.

# पीपीपी मॉडल पर वाटर एटीएम-कूलर होंगे संचालित

- समीक्षा बैठक में गर्मी व बारिश के मौसम की तैयारी के दिए निर्देश
- जलप्रदाय सुधार और मरम्मत कार्य समय सीमा में पूरे हों



नव भारत न्यूज

**इंदौर. शहर में गर्मी और बारिश के मौसम में जलप्रदाय व्यवस्था की स्थिति को लेकर आज निगम कार्यालय में समीक्षा बैठक हुई. बैठक में महापौर ने अमृत 1.0 और 2.0 के तहत चल रहे निर्माण कार्यों, फलबाग संपवेल, एलएनटी के कार्यों की गुणवत्ता परखने, जनता को गर्मी में ठंडा और शुद्ध जल व्यवस्था तहत पीपीपी मॉडल पर वॉटर कूलर लगाने कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए गए.**

आज महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा गर्मी और बारिश के मौसम में शहर के जलप्रदाय व्यवस्था को लेकर निगम कार्यालय में बैठक की गई. बैठक में अमृत योजना 1.0 एवं 2.0 के तहत सम्पवेल निर्माण, नई पानी टंकियों के निर्माण, डायरेक्ट जलप्रदाय व्यवस्था, दूषित जल की समस्या के निराकरण और विभिन्न जल पंपिंग स्टेशनों के कार्यों की जानकारी ली गई. फलबाग में निर्माणाधीन सम्पवेल का काम दो से तीन शिफ्ट में संचालित कर तीन माह में पूरा करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए. शहर में 311 एप एवं सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त दूषित पानी अथवा जलप्रदाय बाधित होने संबंधी शिकायतों की भी समीक्षा की. शिकायतों का त्वरित एवं स्थाई समाधान कर मॉनिटरिंग व्यवस्था पर जोर दिया. गर्मी में जनता को शुद्ध एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराने हेतु पहले से स्थापित वॉटर कूलरों सुधार कार्य शीघ्र पूरा करने और सामाजिक संगठनों के सहयोग से पीपीपी मॉडल पर वाटर एटीएम स्थापित करने की योजना तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए.

### अभी से तैयारी शुरू करें

महापौर ने कहा कि आगामी गर्मी और बारिश के दौरान शहर में जल संकट उत्पन्न नहीं हो, इसकी अभी से तैयारियां शुरू कर दी जाएं. जलप्रदाय से संबंधित सुधार एवं मरम्मत कार्य तय समय-सीमा में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा जाए. बैठक में जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा, अपर आयुक्त आशीष कुमार पाठक, कार्यपालन यंत्री, विभाग प्रमुख, सहायक यंत्री, उपयंत्री सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे.

# मध्यांचल मंडल का शपथ ग्रहण समारोह

**इंदौर**. मध्यांचल मंडल की प्रथम बैठक, शपथ ग्रहण समारोह भोपाल की एमराल्ड होटल में मंडल के अध्यक्ष विनोद गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुआ. लगभग 12 शाखा सभाओं के अध्यक्ष सचिव कार्य समिति सदस्य और मंडल के पदाधिकारी बैठक में शामिल हुए. प्रत्येक शाखा सभा ने अपनी प्रगति रिपोर्ट एवं अपने विचारों से सभा को संबोधित किया. अवंतिका साका सभा उज्जैन के मनीष गुप्ता, बछरवार संदीप गुप्ता, भोपाल शहरी क्षेत्र शाखा सभा इंदौर से मुनेश गुप्ता. पुराना भोपाल के राजेंद्र गुप्ता, होशंगाबाद के मनीष गुप्ता, अरुण गुप्ता मुरैना के राम कुमार गुप्ता, रमेश गुप्ता अध्यक्ष मुरैना शाखा सभा आदि ने सभा को संबोधित किया. संचालन आरसी गुप्ता न्यू भोपाल ने किया. आभार मंत्री नवीन गुप्ता इंजीनियर ने माना. मंडल अध्यक्ष विनोद गुप्ता ने सभा को संबोधित किया. इस अवसर पर इंदौर से रविंद्र गुप्ता, गोविंद गुप्ता, ओमप्रकाश गुप्ता, नवीन गुप्ता, मुनेश गुप्ता, शहरी क्षेत्र इंदौर लश्कर शाखा सभा के सुनील गुप्ता, जबलपुर से अभयकांत गुप्ता, भोपाल से रिटायर जिलाधीश उमेश गुप्ता, न्यू भोपाल से प्रेमचंद गुप्ता, अध्यक्ष मुकेश गुप्ता, मंत्री लोकेश गुप्ता एवं अन्य गणमान्य समाज बंधु उपस्थित हुए. इस अवसर पर जबलपुर के समाजसेवी विष्णु दत्त गुप्ता का उनकी सेवा भाव को देखते हुए मंडल की ओर से सम्मान किया गया. ओम प्रकाश गुप्ता इंदौर संरक्षक मध्यांचल मंडल ने उक्त जानकारी दी.

### ग्रामीण महिलाओं के हुनर से सजेगा महोत्सव

**इंदौर**. होली के पावन पर्व को खास बनाने और स्व सहायता समूह से जुड़ी ग्रामीण महिला उद्यमियों को सशक्त मंच प्रदान करने के लिए इंदौर जिला पंचायत द्वारा 'होली के रंग आजीविका के संग' महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह दो दिवसीय प्रदर्शनी सह-विक्रय कार्यक्रम 28 फरवरी और 1 मार्च को शहर के हृदय स्थल ग्रामीण हाट बाजार, ढक्कन वाला कुआं, साऊथ तुकोगंज पर आयोजित होगा. इस महोत्सव में इंदौर जिले और इंदौर संभाग के विभिन्न विकासखंडों की ग्रामीण महिला स्वयं सहायता समूहों (स्व.स.स.) द्वारा तैयार किए गए उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों का प्रदर्शन और विक्रय किया जाएगा। महोत्सव का मुख्य आकर्षण पूरी तरह से प्राकृतिक और हर्बल गुलाल होगा, जिसे महिलाओं ने फूलों और प्राकृतिक तत्वों से तैयार किया है।

# नदी-नालों में दूषित पानी छोड़ने पर औद्योगिक इकाइयों पर होगी कार्रवाई : कलेक्टर

- औद्योगिक दूषित जल प्रबंधन और प्रदूषण नियंत्रण को लेकर समीक्षा बैठक



नव भारत न्यूज

**इंदौर. शहर के नदी-नालों में दूषित जल छोड़ने वाली औद्योगिक इकाईयों के खिलाफ कार्रवाई होगी. ऐसी सभी इकाईयां अपने यहां दूषित जल के निपटारे की व्यवस्था करें. अपने परिसरों में ईटीपी की स्थापना करें. साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों में कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) की स्थापना भी अनिवार्य रूप से की जाए. उक्त आदेश आज कलेक्टर ने औद्योगिक अपशिष्ट जल प्रबंधन और प्रदूषण नियंत्रण को लेकर दिए है.**

आज कलेक्टर शिवम वर्मा ने औद्योगिक अपशिष्ट जल प्रबंधन और प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े विषय पर बैठक की. बैठक में नमामि गंगे अभियान के तहत प्रदूषण नियंत्रण और दूषित पानी को वैज्ञानिक तरीके से शुद्ध करने के संबंध में चर्चा की गई. बैठक में कलेक्टर ने उद्योग प्रतिनिधियों के साथ कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) की आवश्यकता, केंद्र सरकार की वित्तीय सहायता तथा उद्योगों की भागीदारी पर चर्चा की. कलेक्टर शिवम वर्मा ने उद्योग प्रतिनिधियों से पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रशासन और उद्योगों के संयुक्त प्रयास से औद्योगिक विकास के साथ पर्यावरण संतुलन का कार्य किया जा सकता है. बैठक में नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल सहित संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद थे.

### सीईटीपी स्थापन करने के निर्देश

बैठक में बताया कि पालदा और कुमेड़ी क्षेत्र में करीब 700 छोटे-बड़े उद्योग इकाइयों में सीईटीपी की अत्यन्त आवश्यकता है. कलेक्टर ने निर्देश दिए कि उक्त क्षेत्रों में सीईटीपी की स्थापना की जाए. साथ ही जरूरत पड़ने पर टैंकरों माध्यम से भी अपशिष्ट जल का परिवहन कर सीईटीपी तक पहुँचाया जाए. पालदा और कुमेड़ी क्षेत्र में नए सीईटीपी योजना के प्लांट स्थापित करने की लागत अनुमानित 66 करोड़ रुपए से ज्यादा है. उक्त योजना के संचालन हेतु केंद्र सरकार 60 प्रतिशत और शेष 40 प्रतिशत उद्योगों को वहन करनी होगी. उद्योगों की वित्तीय भागीदारी और संचालन-रखरखाव में सहयोग मिलने के बाद ही राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन योजना की डीपीआर बनाने पर विचार किया जाएगा.

### सांसद ने प्रधानमंत्री के सलाहकार से की मुलाकात

**इंदौर**. इंदौर की जीडीपी को वर्ष 2030 तक दोगुना करने के लक्ष्य को लेकर सांसद शंकर लालवानी ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार एवं वरिष्ठ अर्थशास्त्री संजीव सान्याल से महत्वपूर्ण मुलाकात की. इस बैठक में इंदौर 2030 डबल जीडीपी ब्लूप्रिंट पर विस्तार से चर्चा की गई.

मुलाकात के दौरान सांसद लालवानी ने इंदौर की वर्तमान आर्थिक स्थिति, संभावनाओं, उद्योग, शिक्षा, टेक्नोलॉजी, एक्सपोर्ट, महिला उद्यमिता, ग्रीन एनर्जी और रोजगार सृजन से जुड़े प्रमुख बिंदुओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी. सान्याल ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि किसी एक लोकसभा क्षेत्र की जीडीपी को व्यवस्थित रूप से दोगुना करने का विचार अत्यंत अभिनव है. उन्होंने सुझाव दिया कि इंदौर को अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त वाले क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देना चाहिए और निवेश, निर्यात और स्किल डेवलपमेंट को एक साथ जोड़कर समेकित मॉडल विकसित करना चाहिए. सांसद शंकर ने कहा कि इंदौर देश का सबसे स्वच्छ शहर बनकर राष्ट्रीय पहचान बना चुका है, अब लक्ष्य है कि आर्थिक विकास, निवेश और रोजगार सृजन के क्षेत्र में भी इंदौर राष्ट्रीय मॉडल बने. संजीव सान्याल जैसे वरिष्ठ अर्थशास्त्री का मार्गदर्शन इस अभियान को और अधिक व्यावहारिक और परिणामोन्मुख बनाएगा. इस अवसर पर नीति आयोग में कार्यरत प्रतीक देशमुख, वरिष्ठ अर्थशास्त्री डॉ जयंतीलाल भंडारी, सांसद सेवा संकल्प से अजय जैन, अनुराग सिकरवार और आलोक वाणी उपस्थित थे.

## एक नजर में

**बदलता बाल मन और बाल साहित्य की भूमिका विषय पर परिचर्चा एवं काव्यपाठ कार्यक्रम संपन्न**

# तकनीकी हस्तक्षेप व सामाजिक परिदृश्य बाल मन बदलाव के कारण

**इंदौर. बाल साहित्य शोध सृजन पीठ, साहित्य अकादमी, संस्कृति परिषद, मध्यप्रदेश शासन के द्वारा बदलता बाल मन एवं बाल साहित्य की भूमिका विषय पर परिचर्चा एवं काव्यपाठ का आयोजन सरजू प्रसाद पुस्तकालय, भारती भवन, मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति में किया गया.**




आयोजन के प्रथम सत्र में परिचर्चा में मंचासीन रहे साहित्य अकादमी निदेशक डॉ. विकास दवे, वरिष्ठ बाल साहित्यकार गोपाल माहेश्वरी, बाल साहित्य शोध सृजनपीठ की निदेशक डॉ. मीनू पांडे, मीरा जैन, इंदु पाराशर और प्रदीप नवीन.स्वागत उद्बोधन डॉ. मीनू पांडे ने दिया. इस अवसर पर डॉ. विकास दवे ने कहा कि बाल मन का बदलना इसे हम आरोप की तरह क्यों लेते हैं, क्या हम इसे उपहार की तरह नहीं ले सकते? अगर बाल मन नहीं बदलेगा तो क्या हम बदलेंगे? हां, चिंतन का विषय यह है कि जिस गति से आज के बच्चों का मन बदल रहा है उस परिवर्तन की गति से क्या हम स्वयं को परिवर्तित कर पा रहे हैं? असल मायने में बाल मन के बदलाव का कारण तकनीकी हस्तक्षेप एवं सामाजिक परिदृश्य है. तो हमें इस बदलाव पर ध्यान केंद्रित करना होगा. गोपाल महेश्वरी ने कहा कि बालमन अति चंचल होता है, उस चंचलता को सहेजना अति आवश्यक है, लेकिन कुछ आवश्यक प्रतिबंध भी उनके हित के लिए होते हैं. बाल मन गलती करता है, तभी तो वह सीखता है और इसी में बाल साहित्य की सार्थकता है, तो यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम किस प्रकार की रचना बच्चों को परोस रहे हैं, वहीं से बच्चों का मन विकसित होता है. विषय प्रवर्तन देवेंद्र सिंह सिसोदिया एवं प्रथम सत्र का संचालन मुकेश तिवारी ने किया. चर्चाकार के रूप में डॉ. गरिमा दुबे रहीं. आभार प्रदर्शन अर्चना मंडलोई ने किया.

### काव्य पाठ किया

द्वितीय सत्र में बदलते बाल मन विषय पर गोपाल माहेश्वरी, मनीषा बनर्जी, विनीता चौहान, आशा जाकड़, नयन कुमार राठी, शोभा जोशी साक्षी, डॉ. रेखा मंडलोई, निरुपमा त्रिवेदी, अमिता मराठे, माधुरी व्यास, अर्चना मंडलोई, अजय जैन विकल्प, सपना साहू स्वप्निल, शीला बड़ोदिया, डॉ. सुनीता श्रीवास्तव, अंजुल कंसल, अर्चना पंडित, संतोष तोशनीवाल, डॉ. एकता गायकवाड़, दामिनी ठाकुर ने काव्य पाठ किया. मीरा जैन, इंदु पाराशर एवं पदमा सिंह ने विषय पर अपने विचार रखे. कार्यक्रम में डॉ. जी.डी. अग्रवाल, विजय सिंह चौहान एवं विश्वनाथ कदम के साथ अन्य प्रबुद्ध जनों की उपस्थिति रही इस सत्र का संचालन वाणी जोशी एवं आभार बालसाहित्य शोध सृजनपीठ की निदेशक डॉ. मीनू पांडे ने माना.